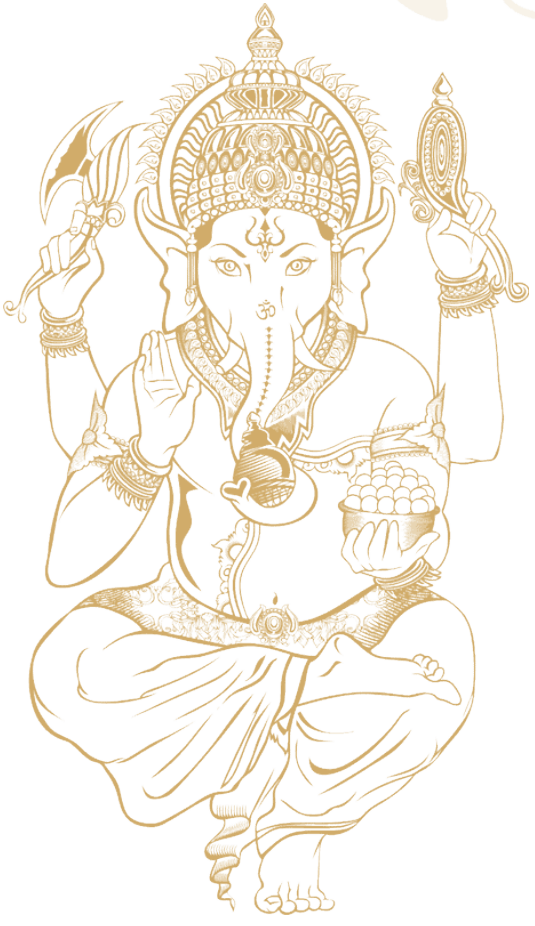

Vishnu

04 Sep 1997

05:20 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121734507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/09/1997**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:20:00 घंटे**
इष्ट	29:16:54 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:23:32 घंटे
वेलान्तर	00:00:55 घंटे
साम्पातिक काल	16:18:05 घंटे
सूर्योदय	05:37:14 घंटे
सूर्यास्त	18:13:18 घंटे
दिनमान	12:36:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:09:31 सिंह
लग्न के अंश	01:45:25 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुभ
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	01:45:25	459:35:30	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
सूर्य			सिंह	18:09:31	00:58:10	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	15:11:36	11:49:06	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			तुला	19:36:38	00:39:24	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	11:01:32	00:42:59	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मक	20:03:35	00:06:01	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	नीच राशि
शुक्र			कन्या	27:17:52	01:10:20	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	नीच राशि
शनि	व		मीन	25:35:29	00:03:13	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु			सिंह	25:52:43	00:00:23	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	25:52:43	00:00:23	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:32:17	00:01:46	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप	व		मक	03:40:14	00:01:02	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:08:23	00:00:44	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			वृश्चि	12:33:52	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:26

लग्न-चलित

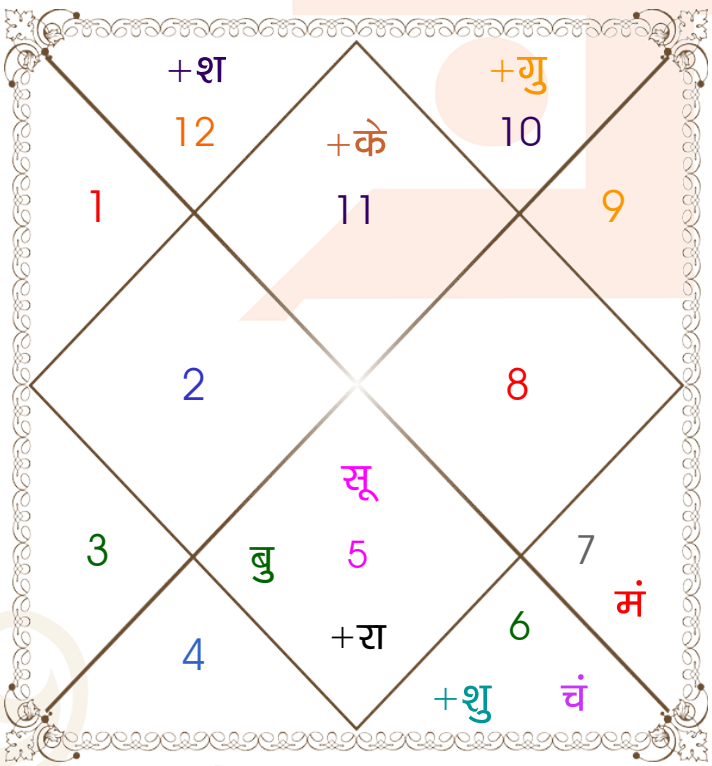

चन्द्र कुंडली

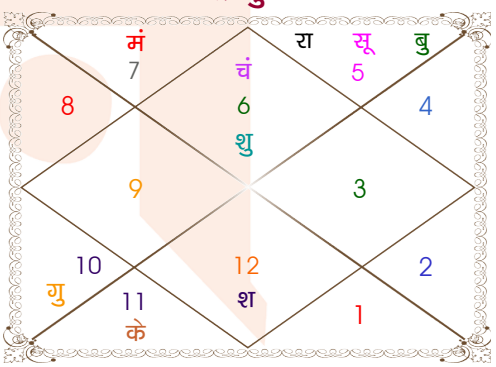

नवमांश कुंडली

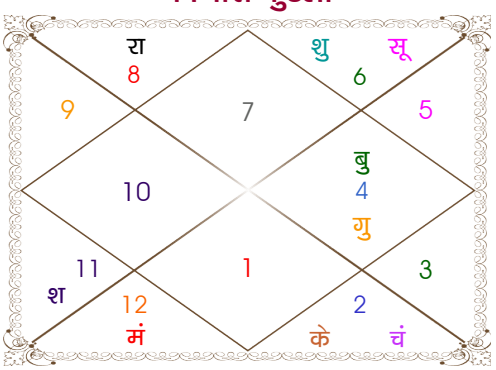

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 1 मास 7 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/09/1997		13/10/2003		13/10/2010		12/10/2028		12/10/2044	
13/10/2003		13/10/2010		12/10/2028		12/10/2044		13/10/2063	
	00/00/0000	मंगल	10/03/2004	राहु	25/06/2013	गुरु	01/12/2030	शनि	16/10/2047
	00/00/0000	राहु	29/03/2005	गुरु	19/11/2015	शनि	13/06/2033	बुध	25/06/2050
	04/09/1997	गुरु	05/03/2006	शनि	25/09/2018	बुध	19/09/2035	केतु	04/08/2051
गुरु	12/01/1998	शनि	13/04/2007	बुध	13/04/2021	केतु	25/08/2036	शुक्र	04/10/2054
शनि	13/08/1999	बुध	10/04/2008	केतु	01/05/2022	शुक्र	26/04/2039	सूर्य	16/09/2055
बुध	12/01/2001	केतु	06/09/2008	शुक्र	01/05/2025	सूर्य	12/02/2040	चंद्र	16/04/2057
केतु	13/08/2001	शुक्र	06/11/2009	सूर्य	26/03/2026	चंद्र	13/06/2041	मंगल	26/05/2058
शुक्र	13/04/2003	सूर्य	14/03/2010	चंद्र	25/09/2027	मंगल	20/05/2042	राहु	01/04/2061
सूर्य	13/10/2003	चंद्र	13/10/2010	मंगल	12/10/2028	राहु	12/10/2044	गुरु	13/10/2063

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
13/10/2063		12/10/2080		13/10/2087		14/10/2107		14/10/2113	
12/10/2080		13/10/2087		14/10/2107		14/10/2113		00/00/0000	
बुध	11/03/2066	केतु	10/03/2081	शुक्र	12/02/2091	सूर्य	01/02/2108	चंद्र	14/08/2114
केतु	08/03/2067	शुक्र	11/05/2082	सूर्य	12/02/2092	चंद्र	01/08/2108	मंगल	15/03/2115
शुक्र	06/01/2070	सूर्य	15/09/2082	चंद्र	13/10/2093	मंगल	07/12/2108	राहु	13/09/2116
सूर्य	12/11/2070	चंद्र	17/04/2083	मंगल	13/12/2094	राहु	01/11/2109	गुरु	05/09/2117
चंद्र	13/04/2072	मंगल	13/09/2083	राहु	12/12/2097	गुरु	20/08/2110		00/00/0000
मंगल	10/04/2073	राहु	30/09/2084	गुरु	13/08/2100	शनि	02/08/2111		00/00/0000
राहु	28/10/2075	गुरु	06/09/2085	शनि	14/10/2103	बुध	08/06/2112		00/00/0000
गुरु	02/02/2078	शनि	16/10/2086	बुध	14/08/2106	केतु	13/10/2112		00/00/0000
शनि	12/10/2080	बुध	13/10/2087	केतु	14/10/2107	शुक्र	14/10/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर तुला राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित आकृति से ऐसा सूचित हो रहा है कि आप एक सैद्धांतिक व्यक्ति हैं। आपका लक्ष्य सर्वोतम जीवन की प्राप्ति है न कि किसी भी प्रकार से धन संचय करना। आप धन को मात्र आवश्यकता की पूर्ति का साध्य समझते हैं। आप धन को संसार का अस्तित्व समझते हैं। परंतु ऐसा संदेह है कि आप धन की खोज में व्यस्त नहीं रहते। धन तो आपके पास निश्चित रूप से आएगा।

संप्रति आप चाहे जैसे भी हो सम्पत्ति उपार्जन में संलग्न रहने के कोई अधिक महत्व नहीं देते हैं। आप अपने जीवन में संतोषप्रद समय व्यतीत करेंगे। आपकी स्पष्टवादिता एक नाटकीय संबंध स्थापित करेगा। तथापि आप अपने आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए वास्तविक लाभांश प्राप्त करने हेतु समर्थ हैं। आप अपने एवं अपने पारिवारिक आवश्यक आवश्यकता हेतु उपयुक्त साधन प्राप्त कर लेंगे।

आप कठिन श्रम साध्य की साधना से भिन्न हैं तथा यह जानते हैं कि अपनी उन्नति हेतु अपने मालिक का किस प्रकार प्रसन्न एवं अनुकूल रखा जाएगा। आप धन्नादि से संपन्न एवं आपकी स्मरण शक्ति विशाल है तथा आप शुद्ध चित्त से किसी भी विषय पर विचार करते हैं। आप में ऐसी संगठनात्मक क्षमता विद्यमान हो सकती है कि किसी भी बड़े कार्य को दिन प्रतिदिन संचालन हेतु कैसा नेतृत्व चाहिए। तथापि आप ऊपर से आधुनिक मेधावी हैं। आप गंभीर रूप से मूल विचार को सुगमता पूर्वक कार्यान्वित करने के लिए पर्याप्त हैं।

इस संदर्भ में ऐसा ज्ञात होता है कि आप अभाग्यता से युक्त होकर भी भाग्यशाली हैं। अभाग्यता की भूमिका आपके स्वास्थ्य से युक्त है। इसमें संदेह नहीं है कि आपका जीवन उत्तम, सुखद एवं आनंददायक होगा। परंतु आपकी शक्ति सीमित रोगादि के कारण शक्ति क्षीण हो जाएगी। इस प्रकार निःसंदेह ऐसा लगता है कि आपको किसी भी रोग से निरोग होने में कुछ समय लग जाएगा। इसलिए आपको इस विंदु पर विचार करना चाहिए कि इस प्रकार के कार्य-कलाप को परित्याग कर देना चाहिए। जिसके प्रभाव से आप रोगग्रस्त हो जाएं तथा शीघ्रता पूर्वक आपको चिकित्सक का परामर्श लेना चाहिए।

कुंभ राशीय प्रभाव से ऐसा संदेह है कि आपको छूआ-छूत अथवा विषाणुयुक्त रोग हो सकता है। ऐसा हो सकता है कि गले का रोग, दांत या आंखों में दिक्कते आ सकती हैं। आपको अपने जीवन की 15 वें 23 वें एवं 29 वें वर्ष में इसके संबंध में ध्यान देकर स्वास्थ्य रक्षा हेतु सतर्क रहना चाहिए।

आप धार्मिक प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि सांसारिक सुखों से युक्त रहकर सुखद जीवन का विस्तार करेंगे। बल्कि आप अपने परिवार के साथ संयुक्त रह कर भी आप स्वतः धार्मिक कार्यों से संलग्न रहेंगे। परंतु वास्तव में आप मानवीय भावनाओं एवं समर्पित भाव से अपनी पत्नी एवं अपनी संतान से संबंधित रहेंगे।

आप अपनी प्रतिभा एवं प्रवृति के अनुसार संबंधित कार्य-व्यवसाय का चयन कर धन प्राप्ति करेंगे। अतएव आप कंपनी के कार्यकारी अधिकारी पद, वैज्ञानिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, प्रोफेसर एवं शैक्षणिक सलाहकार, विधि एवं धन संबंधी कार्य-कलाप आपके लिए लाभदायक होगा। आयात-निर्यात् कार्य-व्यवसाय भी सर्वथा आपके लिए अनुकूल हो सकता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

अंकों में आपके हित अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का त्याग करना आपके लिए उत्तम है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करें एवं आपके लिए सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग उत्तम एवं संतोषप्रदायक है।